शैक्षणिक भ्रमण
बारनवापारा
अभ्यारण्य
Zoology dept.

भ्रमण - बारनवापारा अभ्यारण्य

Date
Page No

9/11/25
बारनवापारा

Time - 7:30AM

प्राचार्य श्रीमती डॉ संध्या भोई मैम, के सहमति व विभागाध्यक्ष श्री के. एस. पटेल सर के मार्गदर्शन से दि एम. एस. सी. प्राणीशास्त्र के समस्त छात्र - छात्राओं को स्थान - बारनवापारा व दिनांक 9/11/25 को एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया जिसमें सुश्री ज्योती नेताम मैम व सुश्री माधुरी साहु मैम, रोहन सर व M.Sc. zoology के 1st व 3rd sem. के सभी छात्र - छात्राएँ उपस्थित रहे।

बारनवापारा वन मंडल अधिकारी श्री मनवीर, अधीक्षक श्री कृपाणु चंद्राकर एवं सुश्री कविता ठाकुर मैम ने विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा भ्रमण के दौरान कविता ठाकुर मैम ने विडीयो रिकॉर्डिंग दिखाए तथा उन्होंने बताया कि अभ्यारण्य में मुख्य रूप से काला हिरण, चीतल, सांभर, मोर, बंदर, जंगली सुअर, सियार, नीलगाय, और अनेक प्रकार की पक्षी पाए जाते हैं।

इसके पश्चात विद्यार्थियों ने देवपुर स्थित नेचर कैंप का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने जंगल का प्राकृतिक वातावरण, वृक्षों की विविधता और पक्षियों की मधुर ध्वनियों का प्रत्यक्ष अनुभव किया। श्री कृपाणु चंद्राकर ने बताया कि किस प्रकार वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी दिन-रात वन्य जीवों की सुरक्षा एवं संरक्षण में कार्यरत रहते हैं। कार्यक्रम का समाप्ति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें प्राणिशास्त्र विभाग ने बारनवापारा अभ्यारण्य के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक अनुभव प्रदान किया। आभार प्रदर्शन प्राणीशास्त्र विभाग के सचिव सुनिता बारिक ने किया।

{ प्राणीशास्त्र विभाग के समस्त
छात्र - छात्राएँ एवं शिक्षकगण }

भ्रमण • प्राणीशास्त्र विभाग के छात्रों ने बारनवापारा अभयारण्य का किया शैक्षणिक भ्रमण

अभयारण्य के वन्यजीव प्रबंधन को जाना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सरायपाली. स्व. राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय सरायपाली के प्राणीशास्त्र विभाग ने 9 नवंबर को एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया।

प्राचार्य डॉ. सध्या भोई के मार्गदर्शन में भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना, जैव विविधता के व्यवहारिक स्वरूप से अवगत कराना था। विभागाध्यक्ष केएस पटेल तथा सहायक प्राध्यापिकाएं (स्ववित्तीय) ज्योति नेताम और माधुरी साहू के नेतृत्व में एमएससी प्राणीशास्त्र के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। दल के बारनवापारा वन मंडल पहुंचने पर अधिकारियों गणवीर धम्मशील, अधीक्षक कृषाणु चंद्राकर व कविता ठाकुर ने उनका स्वागत किया। अधिकारियों ने अभयारण्य के पारिस्थितिकी तंत्र, वन्यजीव प्रबंधन, संरक्षण प्रयासों और क्षेत्र की जैव विविधता से संबंधित जानकारी प्रदान की। भ्रमण के दौरान कविता ठाकुर ने कार्यालय परिसर में विद्यार्थियों को अभयारण्य में पाए जाने वाले विभिन्न जीवों की वीडियो रिकॉर्डिंग दिखाई और उनके प्राकृतिक व्यवहार, आवास तथा संरक्षण उपायों के बारे में समझाया। विद्यार्थियों को प्रजातीय विविधता और पारिस्थितिक संतुलन की भूमिका का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त हुआ। जिससे उनकी क्षेत्र अध्ययन संबंधी समझ और गहरी हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने देवपुर स्थित नेचर कैंप का दौरा किया, जहां उन्हें जंगल के प्राकृतिक वातावरण, वनस्पतियों, पक्षियों और पर्यावरणीय परिस्थितियों का समीप से अवलोकन करने का अवसर मिला। इस दौरान कृषाणु चंद्राकर ने वन विभाग द्वारा संचालित निगरानी व्यवस्था, फील्ड कार्य, वन्यजीव सुरक्षा उपायों और संरक्षण योजनाओं पर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जंगल क्षेत्र में अधिकारी एवं कर्मचारी किस प्रकार प्रतिकूल परिस्थितियों में भी वन्यजीवों की सुरक्षा, अवैध शिकार की रोकथाम और प्राकृतिक आवास संरक्षण के लिए लगातार कार्यरत रहते हैं।

ज्ञानवर्धक और व्यवहारिक जानकारी प्रदान की

विद्यार्थियों ने भौगोलिक परिस्थितियों, वन समुदायों की जीवनशैली और पारिस्थितिक संबंधों को भी समझा। इससे उन्हें व्यवहारिक जीवविज्ञान, पर्यावरण अध्ययन और पारिस्थितिकी के विभिन्न आयामों को प्रत्यक्ष रूप से जानने का अनुभव प्राप्त हुआ, जो कक्षा में पढ़ाए जाने वाले विषयों के अनुरूप एक महत्वपूर्ण व्यावहारिक सीख साबित हुई। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। प्राणीशास्त्र विभाग ने बारनवापारा अभयारण्य के अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। जिन्होंने विद्यार्थियों को उपयोगी, ज्ञानवर्धक और व्यवहारिक जानकारी प्रदान की।

जनजातियों की संस्कृतियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत की

महासमुंद. शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग में दो दिवसीय विभागीय सेमिनार का आयोजन हुआ। मुख्य विषय छत्तीसगढ़ की विभिन्न जनजातियों का समाजशास्त्रीय अध्ययन, समाज सुधारकों एवं विचारकों का योगदान था। इसके अन्तर्गत एमए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर समाजशास्त्र के छात्र-छात्राओं ने जनजातियों की संस्कृतियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत की। विद्यार्थियों में नवीन ज्ञान का संचार हुआ। इस सेमिनार में प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी ज्योति चंद्राकर, लकी, ओमेश्वरी, सरस्वती, नंदनी, खुशबू आदि शामिल रहे।

Kavita Thakur 9399200327

Krishanu Chandrakar sir 7000067360

विभागाध्यक्ष

प्राचार्य

	नाम		हस्ताक्षर
3rd sem.	अध्यक्ष	-	भूमिसुता वैष्णव
3rd sem.	सचिव	-	
3rd sem.	कोषाध्यक्ष	-	
1st sem.	उपाध्यक्ष	-	जाग्रति साहू
1st sem.	सहसचिव	-	
1st sem.	उपकोषाध्यक्ष	-	Shrutika sahu

कार्यालय, प्राचार्य स्व. राजा वीरेन्द्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय सरायपाली
जिला–महासमुंद (छ.ग.)
WebSite- www.govtcollegesaraipali.ac.in E-Mail- govtcollegesaraipali1971@gmail.com
Phone (Office) – 07725226368

क्र./ /MOU / 2025–26 सरायपाली, दिनांक 08.08.25

समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.)

(स्वर्गीय राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय, सरायपाली एवं भारत स्वाभिमान पतंजलि योग समिति, सरायपाली के मध्य)

यह समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) दिनांक 08.08.25 को स्वर्गीय राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय, सरायपाली, जिला महासमुंद (छत्तीसगढ़) एवं भारत स्वाभिमान (पतंजलि योग समिति), तहसील इकाई सरायपाली, जिला महासमुंद (छ.ग.) के मध्य आपसी सहयोग एवं सहभागिता हेतु संपादित किया गया है।

1. उद्देश्य:
   इस समझौते का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा स्थानीय समुदाय में योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा एवं नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार हेतु संयुक्त गतिविधियों का संचालन करना है।
2. सहयोग के क्षेत्र:
   महाविद्यालय परिसर में नियमित योग कक्षाओं का आयोजन, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जैसे आयोजनों का संयुक्त संचालन, स्वास्थ्य शिविर, प्राकृतिक चिकित्सा कार्यशालाएं, आयुर्वेदिक जागरूकता अभियान, विद्यार्थियों को योग में प्रशिक्षित करने हेतु सहयोग, नैतिक शिक्षा एवं जीवनशैली पर केंद्रित व्याख्यान/सत्रों का आयोजन।
3. भूमिका:
   (क) महाविद्यालय की भूमिका: कार्यक्रमों हेतु परिसर उपलब्ध कराना, छात्रों को सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करना, प्रशासनिक सहयोग प्रदान करना।
   (ख) पतंजलि योग समिति की भूमिका: योग्य प्रशिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, योग व स्वास्थ्य विषयक सामग्री प्रदान करना, कार्यशालाओं व शिविरों का आयोजन करना
4. समझौते की अवधि: यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तिथि से आगामी 03 (तीन) वर्षों तक प्रभावी रहेगा, जिसे आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकता है।
5. समझौते की समाप्ति: कोई भी पक्ष 30 दिवस पूर्व लिखित सूचना देकर इस समझौते को समाप्त कर सकता है। यह समझौता आपसी विश्वास, सहयोग एवं सेवा भाव के साथ क्रियान्वित किया जाएगा।

द्वितीय पक्ष
अध्यक्ष / समन्वयक
भारत स्वाभिमान (पतंजलि योग समिति)
तहसील इकाई, सरायपाली
दिनांक: 08.08.25

पतंजलि योग समिति
तह. सरायपाली, जि. महासमुन्द (छ.ग.)

प्रथम पक्ष
प्राचार्य,
स्वर्गीय राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह
शासकीय महाविद्यालय, सरायपाली
दिनांक: .....

PRINCIPAL
Late Raja Virendra Bahadur Singh
Govt. College Sarai pali (C.G.)